RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : रविवार 10 नवंबर 2024 वर्ष 06 अंक 211 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

मुंबई/ निवेश धोखाधड़ी के मामले में 333 करोड़ 82 लाख रुपये की संपत्ति जब्त !

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

इमाम-मौलाना को 15000

RSS पर बैन !

नौकरी में 10% मुस्लिम आरक्षण... उलेमा बोर्ड ने रखी 17 शर्तें

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड महाराष्ट्र ने महाविकास अघाडी को समर्थन देने के लिए 17 सूत्री शर्त रखी है, जिनमें वक्फ बिल का विरोध, नौकरी और शिक्षा में 10% मुस्लिम आरक्षण, इमाम और मौलाना का मासिक 15000 रुपए भत्ता, सरकार बनने पर आरएसएस पर प्रतिबंध जैसी शर्तें हैं.

इस बाबत ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड, महाराष्ट्र के चेयरमैन नायाब अंसारी ने महाविकास अघाड़ी को पत्र दिया गया है. काग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) ने सभी शर्तें मान ली है और उलेमा बोर्ड के नेताओं को चुनाव प्रचार के लिए आमंत्रित किया है. महाराष्ट्र काग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने उलेमा बोर्ड को जवाबी पत्र में कहा कि हमें ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड से एक बयान मिला है, जो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में हमारा समर्थन करने के लिए तैयार है और हमारी 17 मागें हैं. उन्होंने कहा आपके समर्थन के लिए हम आपका शुक्रिया अदा करते हैं. यह भी उम्मीद है कि

ऑल इंडिया उलमा बोर्ड विधानसभा चुनाव में काग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों की जीत के लिए प्रचार करेगा. उन्होंने कहा कि 17 मांगों के संबंध में हम आपको बताना चाहेंगे कि महाराष्ट्र में अखिल भारतीय सरकार बनने के बाद हम अपनी मांगों को लागू करने के लिए निश्चित रूप से कदम उठाएंगे.

इसके साथ ही महाराष्ट्र के ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड की ओर से 17 मांगों वाले पत्र के बाद शरद पवार की एनसीपी ने एक पत्र भेजकर उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया और बोर्ड से एमवीए उम्मीदवारों की जीत के लिए प्रचार करने की अपील की.

ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड महाराष्ट्र की शर्तें-

1. वक्फ बिल का विरोध.नौकरी और शिक्षा में 10% मुस्लिम आरक्षण.
2. महाराष्ट्र के 48 जिलों में मस्जिद,कब्रिस्तान और दरगाह की जप्त जमीन को आयुक्त के जरिए सर्वे कराने का आदेश दिया जाए.
3. महाराष्ट्र के वक्फ मंडल के विकास के लिए 1000 करोड़ का फंड दिया जाए.
4. साल 2012 से 2024 के दंगे फैलाने के आरोपों में जेल में बंद निर्दोष मुसलमानों को बाहर निकालने की मांग.
5. मौलाना सलमान अजहरी को जेल से बाहर निकालने के लिए एमवीए के 30 सांसद पीएम मोदी को खत लिखे.
6. महाराष्ट्र में मस्जिदों के इमाम और मौलाना को सरकार हर महीने 15000 रुपये देने का वादा.
7. पुलिस भर्ती में मुस्लिम युवाओं को भी प्राथमिकता दी जाये.
8. महाराष्ट्र में शिक्षित मुस्लिम समुदाय को पुलिस भर्ती में प्राथमिकता दी जानी चाहिए.
9. इंडिया गठबंधन को रामगिरी महाराज और नितेश राणे को जेल में डालने के लिए विरोध करना चाहिए.
10. महाराष्ट्र में भारत गठबंधन के सहयोगियों के सत्ता में आने के बाद ऑल इंडिया उलमा बोर्ड के मुफ्ती मौलाना, अलीम हाफिज मस्जिद के इमाम को सरकारी समिति में लिया जाना चाहिए.
11. महाराष्ट्र विधानसभा में 2024 के चुनाव में मुस्लिम समुदाय के 50 उम्मीदवारों को टिकट दिया जाना चाहिए.
12. महाराष्ट्र सरकार द्वारा महाराष्ट्र सरकार के माध्यम से महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड में 500 कर्मचारियों की भर्ती की जानी चाहिए.
13. महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड की संपत्तियों पर अतिक्रमण हटाने के लिए महाराष्ट्र विधानसभा में एक कानून पारित किया जाना चाहिए.
14. हमारे पैगंबर मुहम्मद के खिलाफ बोलने वाले लोगों पर कानूनी प्रतिबंध लगाने के लिए कानून बनाया जाना चाहिए.
15. जब महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन के सहयोगी सरकार बनाएंगे, तो आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए.
16. महाराष्ट्र में 48 जिलों में अखिल भारतीय उलेमा बोर्ड कार्यरत है। बयान में उल्लिखित मांग को मंजूरी देने के लिए इंडिया गठबंधन के नाना पाटोले, उद्धवजी ठाकरे, शरद पवार को आश्वासन पत्र देना चाहिए.
17. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 इंडिया गठबंधन के लिए प्रचार करने के लिए अखिल भारतीय उलेमा बोर्ड को 48 जिलों में आवश्यक मशीनरी प्रदान की जानी चाहिए.

प्रमोद महाजन की हत्या के पीछे बड़ी साजिश !

'इन' वजहों से की गई हत्या... बेटी पूनम का बड़ा दावा

मुंबईः प्रमोद महाजन की हत्या को लेकर महाजन की बेटी पूनम महाजन ने बड़ा बयान दिया है। महाजन की 18 साल पहले उनके छोटे भाई प्रवीण महाजन ने हत्या कर दी थी। उन्हें क्यों मारा गया? इसके पीछे क्या कारण था? इसे लेकर पूनम महाजन ने बड़ा दावा किया है। एक न्यूज चैनल को इंटरव्यू देते हुए पूनम महाजन ने कहा कि प्रमोद महाजन की हत्या के पीछे बड़ी साजिश है। उन्होंने ये भी बताया है कि उन्हें क्यों मारा गया। बीजेपी नेता और पूर्व सांसद पूनम महाजन ने आरोप लगाया है कि एक समय बीजेपी नेता रहे प्रमोद महाजन की हत्या के पीछे बड़ी साजिश है। प्रमोद महाजन पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के मुख्य रणनीतिकार थे। मीडिया को दिए इंटरव्यू में पूनम महाजन ने कहा, प्रमोद महाजन की हत्या एक बड़ी साजिश थी, जिसे हल्के-फुल्के कारणों से छिपा दिया गया। ये सच नहीं है। सच जल्द ही सामने आएगा।

हत्या के पीछे का बड़ा मास्टरमाइंड

प्रमोद महाजन की हत्या के बाद कई तरह की चचाएँ हुईं। हालाँकि प्रमोद महाजन को गोली उनके भाई ने ही मारी थी, लेकिन जिस बंदूक से प्रमोद महाजन की मौत हुई वह उनकी अपनी ही बंदूक थी। शायद उस आदमी (प्रवीण महाजन) के शरीर पर जो कपड़े हैं वो भी प्रमोदजी के पैसे के हो सकते हैं। लेकिन बाबा की हत्या का मुखिया सिर्फ एक आदमी नहीं हो सकता। इसके पीछे कोई बड़ा मास्टर माइंड है और इसका पता लगाया जाना चाहिए।

राज ठाकरे के मस्जिद के स्पीकर के बयान के बाद माहिम में शिवसेना उम्मीद्वार सदा सर्वनकर को मिला मुस्लिम इलाके से समर्थन !

माहिम : सत्ता का रिमोट कंट्रोल हमेशा अपने पास रखने वाली ठाकरे परिवार की पीढ़ी अब चुनाव मैदान में उतरी है. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे माहिम से और आदित्य ठाकरे एक बार फिर वर्ली से चुनाव लड़ रहे हैं.

ऐसे में चर्चा है कि ठाकरे बंधुओं यानी राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने दोनों में समझौता कर लिया है। राज ठाकरे के मस्जिद के स्पीकर के बयान के बाद माहिम में शिवसेना उम्मीद्वार सदा सर्वनकर को मिला मुस्लिम इलाके से समर्थन , माहिम से दो बार आमदार रहे सदा सर्वनकर को इस बार उनकी रैली में हजारों की तादात में मुस्लिम समाज रैली में देखने मिला क्यों कि भाजपा मनसे के अमित ठाकरे को समर्थन कर रही है।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

कम मतदान पर चिंता

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शुक्रवार को कोलाबा और कल्याण जैसे शहरी निर्वाचन क्षेत्रों में कम मतदान पर चिंता व्यक्त की, और नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों जैसे बस्तर और गढ़चिरौली के साथ इसके विपरीत को उजागर किया, जहाँ क्रमशः 68 और 78 प्रतिशत मतदान हुआ। सीईसी राजीव कुमार ने आज आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान महाराष्ट्र के अधिकारियों से पूछा , ह्लजब बस्तर (68%) और गढ़चिरौली (78%) जैसे वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के मतदाता मतदान कर सकते हैं, तो कोलाबा और कल्याण क्यों नहीं? 2019 में कोलाबा में केवल 40% मतदान हुआ।ह्व महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन कार्यालय के सूत्रों ने एएनआई को बताया कि जिला चुनाव अधिकारियों (डीईओ), पुलिस आयुक्तों, एसपी, नगर आयुक्तों और रिटर्निंग अधिकारियों (आरओ) के साथ समीक्षा बैठक के दौरान, सीईसी कुमार ने बताया कि जम्मू और कश्मीर में, डोडा, रियासी, पुंछ और राजौरी जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में सबसे हालिया विधानसभा चुनावों में 70 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था, यहां तक कि सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में भी। किश्तवाड़ जिले में 100 प्रतिशत मतदान हुआ। कुमार ने पूछा कि पुणे, ठाणे और मुंबई के शहरी निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता भागीदारी में समान वृद्धि क्यों नहीं देखी जा सकती है। कुमार ने मणिपुर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के रुझान की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जहां 2024 के आम चुनाव में 78 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। इस बीच, मुंबई दक्षिण के एक पॉश निर्वाचन क्षेत्र में लगभग आधे पात्र मतदाताओं ने मतदान छोड़ दिया। यह चिंताजनक प्रवृत्ति गुड़गांव और फरीदाबाद की ऊंची-ऊंची सोसायटियों तक भी फैली हुई है, जहां हाल ही में हरियाणा चुनावों के दौरान सोसायटियों की इमारतों में मतदान केंद्र बनाए जाने के बावजूद मतदान प्रतिशत निराशाजनक रहा, यहां तक कि 20 प्रतिशत भी नहीं हुआ। जवाब में, सीईसी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मतदाताओं को, खासकर शहरी क्षेत्रों में, विभिन्न माध्यमों का उपयोग करके उन्हें मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें। कुमार ने डीईओ और आरओ को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि मतदान केंद्र न्यूनतम सुविधाओं की गारंटी के साथ एक आरामदायक मतदान अनुभव प्रदान करें। प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए घने क्षेत्रों में मतदान केंद्रों पर कतारों में बेंच उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसके अलावा, सीईसी कुमार ने पहुंच और शिकायत निवारण के महत्व पर जोर दिया, अधिकारियों को सभी हितधारकों के लिए उपलब्ध रहने का निर्देश दिया।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

आईएमए ने डॉक्टरों पर हमलों के मुद्दे पर योग्य कानून की मांग की

मुंबईः महाराष्ट्र इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) जो चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में काफी हद तक शामिल है, ने एक विज्ञप्ति के अनुसार चिकित्सा कर्मचारियों को एक शांतिपूर्ण वातावरण और बेहतर कामकाजी स्थिति प्रदान करने के लिए अनुरोध और सुझाव रखे। आईएमए ने डॉक्टरों और स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमलों के मुद्दे को संबोधित किया और हमलों को कम करने के लिए एक सख्त और लागू करने योग्य कानून की मांग की। आईएमए ने अपनी मांगों में उल्लेख किया कि महाराष्ट्र मेडिकेयर एक्ट, 2010 में संशोधन किए जाने की आवश्यकता है , चिकित्सा कर्मचारियों की सुरक्षा और चिकित्सा क्षेत्रों में उचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए 'सुरक्षित क्षेत्र' डिजाइन किए जाने चाहिए।

आईएमए ने अस्पताल पंजीकरण और नवीनीकरण पर भी बदलाव का सुझाव दिया और प्रस्ताव दिया कि 50 बिस्तरों को महाराष्ट्र नर्सिंग होम अधिनियम से छूट दी जानी चाहिए, नवीनीकरण प्रक्रिया एकल-पोर्टल प्रणाली के माध्यम से होनी चाहिए। पंजीकरण शुल्क में वृद्धि के प्रावधानों को हटाने, पुराने अस्पतालों के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे की जरूरतों को पूरा करने की आवश्यकता और कई अन्य नियामक आवश्यकताओं के साथ अस्पताल के बिस्तरों की संख्या के आधार पर नर्सों की योग्यता के बारे में प्रावधान करने के सुझाव भी दिए गए। इसके अलावा, आईएमए ने जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में भी बदलाव का सुझाव दिया और प्रस्ताव दिया कि बैंक गारंटी को हटा दिया जाना चाहिए, अपशिष्ट प्रबंधन के लिए मानक और उचित दरें लागू की जानी चाहिए और ग्रामीण क्षेत्रों में सीवेज उपचार संयंत्रों की आवश्यकता को समाप्त किया जाना चाहिए। महात्मा ज्योतिबा फुले जन आरोग्य योजना (एमजेपीजेएवाई) के बारे में भी सिफारिशें की गईं और योजना में निजी अस्पतालों को शामिल करने तथा योजना में पारदर्शिता लाने के सुझाव दिए गए। साथ ही, सभी डॉक्टरों, खासकर रात की शिफ्ट में काम करने वाली महिला डॉक्टरों के लिए अलग, सुरक्षित और अच्छी तरह से सुसज्जित शौचालय बनाने के सुझाव भी दिए गए। बुनियादी ढांचे में सुधार, योग्य शिक्षकों की नियुक्ति, काम के घंटों में संतुलन, डॉक्टरों के काम से जुड़े तनाव का आकलन और महिला डॉक्टरों की अधिक संख्या वाले क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की सिफारिशें भी की गईं।

आईएमए ने यह भी सुझाव दिया कि 'सीट ब्लॉकिंग बॉन्ड पॉलिसी' को तत्काल समाप्त किया जाना चाहिए, क्योंकि बॉन्ड की राशि बहुत अधिक है और इससे डॉक्टरों का मनोबल गिरता है।

डीएचएफएल-यस बैंक मामले में सीबीआई लंदन के स्ट्रैंड में 100 मिलियन पाउंड की संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया...

मुंबईः सीबीआई लंदन के स्ट्रैंड में 100 मिलियन पाउंड की संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया में है, जिसे कथित तौर पर पुणे के व्यवसायी अविनाश भोसले ने दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (डीएचएफएल) और बिल्डर संजय छाबरिया के रेडियस समूह से अवैध धन का उपयोग करके खरीदा था। डीएचएफएल-यस बैंक मामले से संबंधित हाल ही में पूरक आरोपपत्र में, सीबीआई ने पुष्टि की कि संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया चल रही है। भोसले, जिन्हें अगस्त में दो साल जेल में रहने के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत दी थी, पर धन को डायवर्ट करने और रिश्वत लेने में सहायता करने का आरोप है।

सीबीआई मेसर्स फ्लोरा डेवलपमेंट्स लिमिटेड के निगमन, इसकी शेयरधारिता, वित्तीय रिपोर्ट और लंदन की संपत्ति के स्वामित्व और हस्तांतरण की जांच के लिए यूके के अधिकारियों से अनुरोध करने पर भी काम कर रही है। भोसले को कथित तौर पर डीएचएफएल और रेडियस से 569.22 करोड़ रुपये मिले, जिनमें से 300 करोड़ रुपये फ्लोरा डेवलपमेंट्स लिमिटेड के माध्यम से यूके में स्थानांतरित किए गए। फिर इस फंड का इस्तेमाल 2018 में स्ट्रैंड प्रॉपर्टी को खरीदने के लिए किया गया, जिसे भोसले एक लग्जरी होटल में बदलना चाहते थे। एजेंसी का यह भी दावा है कि संपत्ति खरीदने के लिए भोसले को डीएचएफएल से 70 पाउंड का लोन मिला था। इसके अलावा, 2017-18 में, डीएचएफएल ने कथित तौर पर छाबरिया की तीन निर्माण परियोजनाओं के लिए कंसल्टेंसी सेवाओं की आड़ में भोसले की फर्मों को 68.82 करोड़ रुपये का भुगतान किया।

ऑनलाइन धोखाधड़ी में 4.09 लाख रुपये गंवा दिए; डिजिटल स्कैमर्स का शिकार

मुंबई। आईआईटी-बॉम्बे के एक वरिष्ठ तकनीकी अधीक्षक ने हाल ही में ऑनलाइन धोखाधड़ी में 4.09 लाख रुपये गंवा दिए। एफआईआर के अनुसार, 41 वर्षीय गजेंद्र कुमार वर्मा को 29 अक्टूबर को एक अज्ञात नंबर से कॉल आया।

कॉल करने वाले ने खुद को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के क्रेडिट कार्ड विभाग से होने का दावा किया और उन्हें बताया कि उनके केनरा बैंक के क्रेडिट कार्ड से एक लाख रुपये का लेनदेन किया गया है। वर्मा ने उन्हें बताया कि उनके पास केनरा बैंक का कोई क्रेडिट कार्ड या खाता नहीं है। जालसाज ने उन्हें बताया कि जल्द ही पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाएगी।

आधे घंटे बाद, उन्हें व्हाट्सएप पर एक संदेश मिला, फिर उसी नंबर से एक वीडियो कॉल आया। जालसाज ने उन्हें बताया कि उनके क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके काले धन का लेनदेन किया गया है।

उन्होंने आगे दावा किया कि कार्ड केनरा बैंक द्वारा जारी किया गया था और प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया गया था। युवा डॉक्टर ने खोया क्छ 25 वर्षीय एक डॉक्टर भी डिजिटल स्कैमर्स का शिकार हो गया, जिन्होंने उसे बताया कि उसके पास से ताइवान जाने वाली दवाओं से भरा एक पार्सल इंटरसेप्ट किया गया है। जालसाजों में से एक ने महाराष्ट्र पुलिस साइबर सेल के लोगो वाली पुलिस वर्दी पहनकर वीडियो कॉल पर डॉक्टर से बात की।

35 वर्षीय एक टेलीविजन अभिनेता ने आत्महत्या कर ली; पंखे से लटके पाए गए

मुंबई : पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि 35 वर्षीय एक टेलीविजन अभिनेता ने पश्चिमी उपनगर गोरेगांव में अपने घर में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने बताया कि अभिनेता नितिन कुमार सत्यपाल सिंह यशोधम इलाके में अपने अपार्टमेंट में छत के पंखे से लटके पाए गए। उन्होंने बताया कि सिंह पिछले कुछ सालों से अवसाद से पीड़ित थे, क्योंकि उन्हें टेलीविजन और फिल्मों में काम नहीं मिल पा रहा था। उन्होंने कहा कि वह इस स्थिति का इलाज करा रहे थे।

अधिकारी ने बताया कि सिंह की पत्नी अपनी बेटी को पार्क में ले गई थी। उन्होंने पाया कि फ्लैट अंदर से बंद है और उन्हें सिंह की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने बताया कि वह आखिरकार फ्लैट में घुसने में कामयाब रही और उन्होंने देखा कि अभिनेता लटके हुए हैं।

माहिम - वर्ली विधानसभा चुनाव

ठाकरे बंधुओं ने दोनों के लिए समझौता कर लिया?

मुंबई: सत्ता का रिमोट कंट्रोल हमेशा अपने पास रखने वाली ठाकरे परिवार की पीढ़ी अब चुनाव मैदान में उतर रही है।2019 में विधानसभा चुनाव लड़कर आदित्य ठाकरे विधायक बने। इसके बाद अब उनके चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। आदित्य ठाकरे एक बार फिर वर्ली से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि अमित ठाकरे माहिम से चुनाव मैदान में उतरे हैं। इस बार का चुनाव इन दोनों के लिए मुश्किल है। ऐसे में चर्चा है कि ठाकरे बंधुओं यानी राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने दोनों के लिए समझौता कर लिया है।

शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने साफ किया है कि वह माहिम में कोई चुनावी सभा नहीं करेंगे। हालांकि राज ठाकरे ने आदित्य ठाकरे के वर्ली विधानसभा में एक बैठक की, लेकिन उन्होंने आदित्य ठाकरे की आलोचना करने से परहेज किया। इसलिए इस बात की चर्चा जोर पकड़ने लगी है कि क्या ठाकरे परिवार में पर्दे के पीछे कुछ हुआ है? दरअसल इस साल अमित ठाकरे और आदित्य ठाकरे के निर्वाचन क्षेत्रों में त्रिकोणीय लड़ाई है। शिव सेना ने अमित ठाकरे के खिलाफ महेश सावंत को उम्मीदवार बनाया है। यहां शिंदेसेना ने मौजूदा विधायक सदा सरवणकर को फिर से मैदान में उतारा है। आदित्य ठाकरे को एमएनएस के संदीप देशपांडे और शिंदेसेना के मिलिंद देवरा से चुनौती मिल रही है। ये लड़ाई दोनों ठाकरे के लिए चुनौतीपूर्ण है।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि माहिम हमारा निर्वाचन क्षेत्र है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि यहां कोई अभियान बैठक आयोजित करने की जरूरत है। मुंबई में महाविकास अघाड़ी की बैठक हुई है। अब मेरी सारी बैठकें शहर से बाहर होंगी। उद्धव ने कहा कि मुझे मुंबईकरों पर भरोसा है और मैं मुंबईकरों को लेकर आश्वस्त हूं। शिवाजी पार्क माहिम निर्वाचन क्षेत्र में आता है लेकिन ये बैठक सिर्फ माहिम के लिए नहीं होगी। साफ है कि उद्धव और आदित्य ठाकरे अमित ठाकरे के लिए प्रचार नहीं करेंगे लेकिन पार्टी के कुछ नेताओं ने कहा कि ठाकरे मुंबई के अलग-अलग हिस्सों में बैठकें कर सकते हैं।

राज ठाकरे ने मनसे उम्मीदवार संदीप देशपांडे के लिए वर्ली में बैठक की। उन्होंने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा लेकिन आदित्य ठाकरे की आलोचना करने से बचते रहे। यह साफ हो गया है कि महेश सावंत के प्रचार के लिए उद्धव और आदित्य ठाकरे माहिम में चुनावी सभा नहीं करेंगे। भले ही राज ने वर्ली में मीटिंग की हो लेकिन उन्होंने आदित्य पर निशाना साधने से परहेज किया है।

वसई-विरार नगर पालिका क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन पैसों की बारिश...

दो करोड़ से ज्यादा जब्त !

वसई: चुनावी दौर में वसई विरार शहर में पैसों की बारिश जारी है. लगातार दूसरे दिन विरार नगर पालिका की भराड़ी टीम ने 2 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की है। गुरुवार को भी नालासोपारा, मांडवी और मीरा रोड में 780 लाख रुपये की नकदी जब्त की गई. यह बेहिसाब पैसा बैंक की एटीएम वैन से ले जाया जा रहा था. वसई विरार नगर निगम की भरारी टीम को सूचना मिली कि एक बैंक की एटीएम वैन से बेहिसाब पैसे निकाले जा रहे हैं. शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे विरार पश्चिम के सब्जी बाजार इलाके में जाल बिछाया गया और बैंक की एटीएम वैन को जब्त कर लिया गया. इस वैन में 2 करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी मिली है. नगर पालिका के अतिरिक्त आयुक्त रमेश मनाले ने बताया कि फिलहाल गिनती जारी है. इस रकम का संबंधित के पास कोई आधिकारिक दस्तावेज नहीं था। इस नकदी को जब्त कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई के लिए मामला आयकर विभाग को सौंप दिया गया है. कार्रवाई भरारी टीम प्रमुख बेंजामिन डाबरे, नरेंद्र नाजरा, पुलिस अधिकारी अनिल सोनावणे आदि की टीम ने की.

गुरुवार को भी नालासोपारा में ही 3.5 करोड़ रुपये, विरारचामांडवी में 2 करोड़ 80 लाख रुपये और मीरा रोड में 1 करोड़ 47 लाख रुपये नकद बरामद हुए. दिलचस्प बात यह है कि ये सभी बेहिसाब रकम बैंकों की एटीएम वैन से जब्त की गई हैं।

महिला वकील-पुलिसकर्मी समेत सैंकड़ों को शादी का झांसा देकर धोखा देने वाले को जमानत नहीं

मुंबई: बॉम्बे हाई कोर्ट ने महिला वकील और पुलिसकर्मी समेत सैंकड़ों लड़कियों को शादी का झांस देकर धोखाधड़ी करने वाले कुख्यात आरोपी सचिन दिलीप सांबारे को जमानत देने से इनकार कर दिया। पीड़िता के वकील प्रशांत पांडे और वकील दिनेश जाधवानी के कड़े विरोध के बाद अदालत ने दूसरे बार अदालत आरोपी की जमानत याचिका खारिज की है। उसे नवी मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 2020 गिरफ्तार किया था। न्यायमूर्ति मनीष पितले की एकलपीठ के समक्ष सचिन दिलीप सांबारे की ओर से वकील मंशा खेमका की दायर जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में याचिकाकर्ता के चार साल से जेल में बंद होने और निचली अदालत में मुकदमे की सुनवाई में देरी होने का हवाला देकर जमानत की मांग की गई। पीठ ने पाया कि याचिकाकर्ता द्वारा स्वयं सत्र न्यायालय के समक्ष अपने मामले में आगे कार्यवाही करने के लिए ईमानदारी से प्रयास नहीं किया। यदि याचिकाकर्ता स्वयं अदालत से वर्तमान जमानत आवेदन के लंबित होने के आधार पर स्थगन मांग रहा था, तो उसे पलटकर मुकदमा लंबित रहने तक लंबी कैद का लाभ लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। पीड़िता के वकील प्रशांत पांडे ने पीठ के संज्ञान में लाया गया है कि याचिकाकर्ता की ओर से सत्र न्यायालय में दाखिल किए गए डिस्चार्ज के आवेदन इसीलिए लंबित रह गया है, क्योंकि विशेष रूप से याचिकाकर्ता की ओर से न्यायालय से बार-बार स्थगन की आदेश मांग की गई। पीड़िता के वकील की दलील को स्वीकार कर आरोपी की याचिका खारिज कर दी।

बॉम्बे हाई कोर्ट से एक व्यक्ति को उनकी मां और बहन से उनके नाबालिग बच्चों से मिलने की मिली इजाजत दूसरे केस में बॉम्बे हाई कोर्ट से एक व्यक्ति को उनकी मां और बहन को उनके बच्चों से मिलने की इजाजत मिल गई है।पारिवारिक विवाद में नाबालिग बच्चे अलग रह रही मां के साथ रहते हैं। याचिका में दावा किया गया कि उनकी पत्नी उनके नाबालिग बच्चों से उन्हें मिलने नहीं दे रही है। अदालत ने पत्नी को तलब किया, तो उसने पति द्वारा उसके गुजारा भत्ता की 10 लाख रुपए बकाया होने की बात कही। इस पर पति ने अदालत से कहा कि वह गुजारा भत्ता की बकाया राशि 8 सप्ताह में दे देगा। पत्नी ने भी पति, सांस और ननद को अपने बच्चों से मिलने देने की बात कही।

नवी मुंबईः पाम बीच रोड पर दुर्घटना में एक की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

नवी मुंबई: पाम बीच रोड पर एक दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ जब एक कार को पीछे से आ रही तेज रफ्तार जीप ने टक्कर मार दी. इस हादसे में मनीष पेडनेकर (उम्र 40) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी स्नेहा और बेटी अनन्या गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों का अलग-अलग निजी अस्पतालों में इलाज चल रहा है. हादसे के बाद चालक भाग गया। पुलिस ने उसका पता लगाया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया।

दीघा के रहने वाले मनीष पेडनेकर अपनी पत्नी स्नेहा और चार साल की बेटी अनन्या के साथ गुरुवार सुबह-सुबह कार से निकले थे। नेरुल के सारसोले चौक पर पेडनेकर की कार को पीछे से तेज रफ्तार जीप ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद पुलिस ने जीप के नंबर से वाहन मालिक का पता लगाया। तब यह बात सामने आई कि गाड़ी ओंकार मोरे चला रहा था।

ओंकार मोरे को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया और 9 तारीख तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है. पुलिस को शक है कि ड्राइवर मोरे ने शराब पी रखी थी.

नवी मुंबईः खारघर तुर्भे लिंक रोड का काम चुनाव के बाद शुरू होगा

नवी मुंबईः सिडको कॉर्पोरेशन द्वारा योजनाबद्ध खारघर से तुर्भे लिंक रोड का काम हाल ही में खारघर से शुरू हुआ है, लेकिन काम रोक दिया गया है क्योंकि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अभियान रैली 14 नवंबर को सेक्टर 35 के खुले मैदान में आयोजित की जाएगी। उस स्थान पर जहां काम शुरू किया गया था. गुमनाम रूप से कहा जा रहा है कि यह काम इस अभियान बैठक के बाद ही शुरू होगा. नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के कारण सिडको बोर्ड खारघर, उल्वे, द्रोणागिरी, नवी मुंबई के विभिन्न उपनगरों में संचार नेटवर्क को और मजबूत करने की योजना बना रहा है, क्योंकि खारघर तुर्भे लिंक रोड इस संचार में मुख्य परियोजनाओं में से एक है।

यह परियोजना सिडको के संयुक्त प्रबंध निदेशक दिलीप ढोले के नेतृत्व में है। चूंकि इस परियोजना को वन एवं पर्यावरण विभाग से सभी अनुमतियां मिल चुकी हैं, इसलिए सिडको बोर्ड ने संबंधित ठेकेदार कंपनी को यह काम शुरू करने के आदेश दे दिये हैं. यह परियोजना तलोजा इंडस्ट्रियल एस्टेट और अन्य पनवेल से वाहनों को सीधे कुछ ही मिनटों में तुर्भे होते हुए नवी मुंबई के वाशी, तुर्भे, जुईनगर, नेरुल, एपीएमसी मार्केट, टीटीसी इंडस्ट्रियल एस्टेट तक जाने में सक्षम बनाएगी। यह प्रोजेक्ट 5.49 किमी लंबा है. परियोजना के दो मुख्य कार्य तुर्भे से खारघर के बीच पारसिक पहाड़ियों के नीचे 1.76 किमी लंबी सुरंग की खुदाई और एक फ्लाईओवर का निर्माण है।

वर्तमान में, मुंबई से खारघर उपनगर आने वाले वाहन चालकों को शिव पनवेल राजमार्ग और पाम बीच से होकर आना पड़ता है। इस मार्ग के बाद कुछ ही मिनटों में तुर्भे से सीधे खारघर और ऊपरी खारघर पहुंचा जा सकता है। खारघर उपनगर में इस सड़क को बनाने में तीन साल लगेंगे।

मुलुंड में गैराज में कार में दम घुटने से पांच साल के बच्चे की मौत!

मुंबईः मुलुंड इलाके में एक चौंकाने वाली घटना घटी जब गैरेज में कार के साथ खेलने गए पांच साल के बच्चे की दम घुटने से मौत हो गई. इस संबंध में नवघर पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. मृत लड़के का नाम कबीर कनौजिया (5) है और वह मुलुंड के अंबेडकर नगर इलाके में रहता था. चूंकि उनके पिता की मुलुंड के म्हाडा वसाहाट इलाके में पान की टपरी थी, इसलिए वह उनसे मिलने जाते थे। गुरुवार को भी दोपहर करीब 3 बजे वह उससे मिलने के लिए उसकी टपरी पर गया था। तब वह बगल के गैराज में कुछ कारों के साथ खेल रहा था। काफी देर तक जब वह नजर नहीं आया तो उसके पिता ने तुरंत उसे ढूंढना शुरू किया, लेकिन वह नहीं मिला. आखिरकार शाम करीब 5 बजे लड़के को एक कार में बेहोशी की हालत में देखा गया. इसकी जानकारी उसके पिता को देने के बाद लड़के को बाहर निकाला गया और तुरंत मुलुंड के अग्रवाल अस्पताल में भर्ती कराया गया.

बिना टिकट यात्रियों से 80 करोड़ जुमार्ना वसूली, सात माह में पश्चिम रेलवे की कार्रवाई

मुंबईः पश्चिम रेलवे प्रशासन ने पिछले सात महीनों में बिना टिकट यात्रियों से 80 करोड़ रुपये का जुमार्ना वसूला है. इसके अलावा दशहरा और दिवाली के दौरान भी कई यात्रियों ने भीड़ का फायदा उठाकर बिना टिकट यात्रा करने की कोशिश की. हालांकि अकेले अक्टूबर माह में टिकट निरीक्षकों ने बिना टिकट यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई कर 12 करोड़ रुपये का जुमार्ना वसूला है.

यह अभियान पश्चिम रेलवे पर सभी टिकट धारकों को आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए चलाया जा रहा है। लोकल ट्रेनों, पैसेंजर ट्रेनों, उत्सव स्पेशल ट्रेनों में बिना टिकट यात्रियों की जांच के लिए टिकट चेकिंग टीमें गठित की गई हैं। पिछले सात महीनों में टिकट निरीक्षकों की टीमों ने बिना टिकट यात्रियों से 80.56 करोड़ रुपये का जुमार्ना वसूला। इसमें मुंबई उपनगरीय लोकल से बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों से 26.60 करोड़ रुपये का जुमार्ना वसूला गया.

अक्टूबर 2024 में अनारक्षित सामान वाले 2.09 लाख बिना टिकट यात्रियों का पता लगाया गया और उनसे 12.10 करोड़ रुपये वसूले गए। इसके अलावा अक्टूबर में पश्चिम रेलवे लोकल में प्लेटफॉर्म पर 93,000 यात्रियों को बिना टिकट पाए जाने पर 3.90 करोड़ रुपये का जुमार्ना वसूला गया था. पिछले सात महीनों में चलती वातानुकूलित ट्रेनों में टिकट जांच के जरिए 34,800 बिना टिकट और सामान्य लोकल टिकट वाले यात्रियों को पकड़ा गया है और उनसे करीब 1.15 करोड़ रुपये का जुमार्ना वसूला गया है.

मुंबई/ निवेश धोखाधड़ी के मामले में 333 करोड़ 82 लाख रुपये की संपत्ति जब्त !

मुंबईः ज्ञानाराधा मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी में निवेश धोखाधड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 333 करोड़ 82 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है. ईडी ने गुरुवार को बताया कि जब्त की गई संपत्तियों में सतारा और अहमदनगर में मेसर्स कुटे संस डेयरी लिमिटेड और मेसर्स कुटे संस फ्रेश डेयरी प्राइवेट लिमिटेड की जमीन, भवन, परियोजनाएं और मशीनरी शामिल हैं।

ईडी के मुताबिक, ज्ञानराधा मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड की विभिन्न जिलों में 52 से अधिक शाखाएं हैं। इसका प्रबंधन और नियंत्रण सुरेश ज्ञानोबा कुटे, यशवंत वी. द्वारा किया जाता है। कुलकर्णी और अन्य संबंधित। विभिन्न जमा योजनाएं शुरू कर 12 से 14 प्रतिशत तक ब्याज का दावा किया। व्यक्तिगत ऋण, सरल ऋण, वेतन ऋण, निश्चित ऋण, स्वर्ण ऋण और एफडीआर ऋण जैसी विभिन्न योजनाएं शुरू की गईं। आरोपी सुरेश कुटे और उसके सहयोगियों ने निवेशकों को धोखा देने के लिए ज्ञानराधा मल्टीस्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड (डीएमसीएसएल) के माध्यम से कई निवेश योजनाओं को अंजाम दिया। इसमें चार लाख निवेशकों ने निवेश किया था. जांच के मुताबिक आरोप है कि इस मामले में 2,467 करोड़ 89 लाख रुपये की हेराफेरी की गई. इसके बाद कुटे के खिलाफ धोखाधड़ी के नौ मामले दर्ज किए गए। इस मामले में ईडी अब तक 1433 करोड़ 30 लाख रुपये की संपत्ति जब्त कर चुकी है.

विरार पश्चिम के ग्लोबल सिटी इलाके में क्षत-विक्षत शव मिला

विरार : विधानसभा चुनाव के मद्देनजर विरार पश्चिम के ग्लोबल सिटी इलाके में एक बंद टेम्पो में एक क्षत-विक्षत शव मिला. शव की पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. इस संबंध में बोलिंज थाने में अचानक मौत की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है और पुलिस जांच कर रही है कि यह हत्या है या आत्महत्या. इलाके में फैली बदबू के कारण सतर्क नागरिकों ने पुलिस को मौके पर बुलाया और टेंपो की जांच करने को कहा. इसी बीच टेम्पो में अज्ञात इस्मा का क्षत-विक्षत शव मिला। शव के पास एक मोबाइल फोन, तंबाकू की डिब्बी मिली।

मुंबई उपनगरों में अवैध शराब तस्करी के 226 मामले दर्ज

मुंबईः चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद से राज्य उत्पाद शुल्क विभाग ने पश्चिमी और पूर्वी उपनगरों में अवैध शराब की तस्करी के 226 मामले दर्ज किए हैं और अब तक 227 लोगों को गिरफ्तार किया है. इस कार्रवाई में करीब 92 लाख का मुआवजा जब्त किया गया है. उपनगर अधीक्षक नितिन घुले ने कहा कि चुनाव में दो सप्ताह शेष रहने को देखते हुए इस कार्रवाई को और सख्त किया जाएगा.

बाहरी गांवों से आने वाली ट्रेनों से अवैध शराब की ढुलाई की आशंका को ध्यान में रखते हुए मुंबई आने वाले सभी टोल नाकों के साथ-साथ बांद्रा, दादर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर भी गश्त बढ़ा दी गई है। रेल प्रबंधकों से अनुरोध किया गया है कि ट्रेन से आने वाले पार्सल और सामान का नियमित निरीक्षण करें. इसकी समीक्षा उत्पाद विभाग द्वारा की जा रही है. इसके अलावा उपनगरों के 26 निर्वाचन क्षेत्रों में निरीक्षकों और उप-निरीक्षकों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई के लिए 16 भरारी दस्तों को भी सक्रिय किया गया है.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com